D.P.I (H) Ist Paper

Senate

"The American senate is the most Powerful second chamber in the world'. Discuss

Dr. Punam Kumari
Dept of Pol. Science
S.N.S R.K.S college saharsa

संयुक्त राज्य अमेरिका की सिनेट को विश्व का सबसे शक्तिशाली द्वितीय सदन कहा गया है। प्रो० लास्की उसे अमरीकन शासन प्रणाली की सफलताओं में से एक मानते है। सर हेनरी मेन का कहना है कि "जब से आधुनिक प्रजातंत्र का विकास हुआ है, तब से जितनी भी संस्थाओं का निर्माण हुआ है, उनमें यही एकमात्र पूर्ण सफल संस्था रही है।"

सिनेट के शक्तिशाली होने के निम्नलिखित कारण है :—

(1) संविधान निर्माताओं द्वारा सीनेट को प्रदत्त महत्वपूर्ण स्थान :— संविधान की भाषा से यह नितांत स्पष्ट है कि संविधान निर्माता एवं सीनेट को महत्वपूर्ण स्थिति प्रदान करना चाहते थे। संविधान के प्रथम अनुच्छेद में जहाँ द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका की बात कही गयी है वहीं सीनेट का नाम पहले दिया जाना कोई साधारण गलती नहीं है। संविधान निर्माता सीनेट को शक्तिशाली बनाना चाहते थे।

(2) सीनेट की विशेष शक्तियाँ :— संविधान और परम्पराओं के आधार पर सीनेट को कुछ ऐसी शक्तियाँ प्राप्त है जो विश्व के किसी भी देश के द्वितीय सदन को प्राप्त नहीं है। सीनेट को प्रतिनिधिसभा के समान ही प्रत्येक क्षेत्र में अधिकार दिया गया है, कुछ क्षेत्रों में तो उसे विशेष अधिकार दिये गये हैं।

(3) मन्त्रिमंडल पद्धति का अभाव :- अमेरीकी संविधान में मंत्रिमंडल पद्धति का अभाव है। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था होने के कारण कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी नहीं है, और ~~कार्यपालिका~~ प्रतिनिधिसभा को कार्यपालिका पर नियंत्रण की कोई शक्ति प्राप्त नहीं है। अतः कॉंग्रेस के प्रथम सदन की तुलना में सीनेट अधिक शक्तिशाली हो गयी है।

(4) प्रत्यक्ष निर्वाचन :- ब्रिटेन, भारत, फ्रांस आदि की द्वितीय सदन के सदस्यों का या तो मनोनयन होता है या अप्रत्यक्ष चुनाव होता है जबकि अमरीकी सीनेट का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से समस्त जनता द्वारा होता है। वहाँ प्रतिनिधि सभा के सदस्यों का निर्वाचन क्षेत्रीय जनसंख्या अनुसार होता है। फलस्वरूप उनमें योग्य तथा अनुभवी व्यक्ति सदस्य नहीं हो पाते। अतः प्रत्यक्ष निर्वाचन के कारण सीनेट अधिक शक्तिशाली हो गयी है।

(5) स्थायित्व - सीनेट का स्थायित्व तथा सदस्यों का दीर्घकाल भी सीनेट की शक्ति में वृद्धि का रहस्य है। अमरीकी राष्ट्रपति चार साल पर बदलते रहते हैं। प्रतिनिधि सभा के सदस्य हर दो वर्ष पर आते जाते रहते हैं लेकिन सीनेट के सदस्य छः वर्षों तक अपने पद पर बने रहते हैं। सीनेट का विघटन नहीं होता बल्कि हर दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य का स्थान रिक्त होता है, और नया निर्वाचन होता है। जिससे ~~इसका~~ इसका स्थायित्व और दृढ़ हो जाता है।

(6) आकार :- सीनेट के लघु आकार के कारण भी उसकी सदृढ़ता तथा प्रतिष्ठा बढ़ी है। इसमें कुल 100 सदस्य है। छोटे आकार के कारण इसके सदस्यों में पारस्परिक घनिष्ठता रहती है और स्वतंत्रता पूर्वक वाद-विवाद कर पाते हैं।

(7) कुलीनवर्गों के प्रतिनिधि :- संयुक्त राज्य अमेरिका पूँजीवाद का घर है। पूँजीपति राजनीतिक व्यवस्था के एकमात्र स्वामी है। सीनेट उनका प्रतिनिधित्व करती है। इसमें वे ही व्यक्ति निर्वाचित हो सकते हैं, जिनके पास ~~धन~~ पर्याप्त सम्पत्ति है।

(8) दल नियंत्रण का अभाव :- दल नियन्त्रण का अभाव भी सीनेट की शक्तिशाली होने का एक प्रमुख कारण है। सीनेट सदस्य ~~स्वतंत्रपूर्वक~~ स्वतंत्रतापूर्वक किसी भी समय और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं। विश्व के अन्य देशों के द्वितीय सदन को यह स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है।

(9) कार्यविधि की सरलता :- सीनेट की कार्यप्रणाली उसकी शक्ति का स्रोत है। सीनेट के सदस्यों को किसी भी विषय पर विचार विमर्श करने की असीम स्वतंत्रता प्राप्त है। अच्छी तरह विचार करने के बाद लिये गये निर्णय देश के लिए अधिक लाभकारी होते हैं और उसके कारण सीनेट की महत्ता में और वृद्धि हुई है।

(10) प्रभावशाली प्लेटफार्म :- राष्ट्रपति पद के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में सीनेट ही सबसे अधिक प्रभावशाली प्लेटफार्म है।

(11) संघ का प्रमुख स्तम्भ :- अगर ब्रिटिश लॉर्ड-सभा या भारतीय राज्यसभा को संविधान से निकाल दिया जाय तो शासन संचालन में कोई कोई कठिनाई पैदा नहीं होगी, लेकिन अगर अमरीकी संविधान से सीनेट को निकाल दिया जाय तो शासन व्यवस्था बहुत कुछ ठप्प पड़ जायेगी और निरंकुश तथा प्रतिनिधि सभा असावधान हो जायगी।

(12) सीनेट सदस्यों की गुणात्मक उच्चता :- सीनेट की इतनी अधिक महत्ता प्राप्त होने की अन्तिम

किन्तु एक महत्वपूर्ण कारण प्रतिनिधि सभा की तुलना में सीनेट सदस्यों की गुणात्मक श्रेष्ठता है। सीनेट कार्यपालिका शक्तियों में राष्ट्रपति की सहभागी है, इस कारण शासन तंत्र में उसका स्थान बड़े महत्व का हो गया है।

मूल्यांकन — उपर्युक्त विवेचना से यह स्पष्ट है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट एक सफल संस्था है, लेकिन यह दोषमुक्त नहीं है। यद्यपि 1913 ई० के संशोधन द्वारा निर्वाचन पद्धति में सुधार हुए हैं फिर भी इसे 'धनीवर्ग का क्लब' कहना अनुपयुक्त न होगा। वस्तुतः यह साधारण निर्वाचकों का नहीं बल्कि निहित स्वार्थों का प्रतिनिधित्व करती है। इसके कार्यविधि को भी आदर्श नहीं कहा जा सकता है।

इन दोषों के बावजूद सीनेट एक सफल शक्तिशाली तथा अद्वितीय सदन है। यह अमरीकी प्रशासन की धुरी है। प्रो० लास्की ने इस सदन को संयुक्त राज्य अमेरिका में एकमात्र प्रभावशाली सदन कहा है।

ब्रिटिश राजनीतिक ग्लैडस्टोन ने बताया है कि "आधुनिक राजनीति में जितने भी आविष्कार हुए हैं, सीनेट उनमें सबसे अद्भुत है।"

अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि अमेरिकी सीनेट विश्व का सबसे शक्तिशाली द्वितीय सदन है।

— x —